मानव जीवन में धारणीय बातें

KYPL Since : 1986

अंहकार का त्याग

थोड़ा सा व्यापार बढ़ा अंहकारी हो गए।
थोड़ा सा धन मिला बेकाबू हो गए।
थोड़ा सा ज्ञान मिला उपदेश की भाषा सीख ली।
थोड़ा सा सम्मान मिला पागल हो गए।
थोड़ा सा अधिकार मिला दुनिया को तबाह करने लगे।
थोड़ा सा यश मिला दुनिया पर हंसने लगे।
थोड़ा सा रूप मिला दपर्ण ही तोड़ डाला।

इस प्रकार तमाम उम्र छलनी में पानी भरते रहे
अपनी समझ में बहुत बडा काम करते रहे ।

जीवन में उतारने योग्य तीन बातें

1. लंगोट का पक्का व हाथ का सच्चा रहना यह सफल जीवन का रहस्य है।
2. मिलते कर्ज से तथा बहते दरिंया से दूर रहना।
3. आमदनी बढ़ने पर भी खर्चे को मत बढ़ने देना, बुढ़ापा निकट है, उस समय संचित धन काम आएगा।

अच्छी बातें

किसी की प्रतीक्षा नहीं करती	समय, मृत्यु, ग्राहक
हर एक का अलग-अलग होता है	रूप, स्वभाव, भाग्य
इन्सान को जीवन में एक बार मिलती है	माँ-बाप, हुस्न, जवानी
भाई को भाई का दुश्मन बना देती है	जर, जोरु, जमीन
परदा चाहती है	खाना, दौलत, औरत
याद रखना जरूरी है	सच्चाई, कर्तव्य, मौत
असल उद्देश्य से रोकती है	बदचलनी, गुस्सा, लालच
हर एक को प्यारी होती है	औरत, दौलत, औलाद
कोई दूसरा नही चुरा सकता	अक्ल, इल्म, हुनर
गम मे गिरे रहते है	इर्ष्यालु, काहिल, वहमी
निकल कर वापस नही आती	तीर कमान से, बात जुबान से, आत्मा शरीर से

सत्संग के मोती पढ़ो, समझो, करो

1. छोड़ना चाहते हो तो, अंहकार को छोड़ो।
2. बोलना चाहते हो तो, मीठे वचन ही बोलो।
3. तोलना चाहते हो तो, अपने शब्दो को तोलो।
4. गिनना चाहते हो तो, अपने पापो को गिनो।
5. रोकना चाहते हो तो, मन को गलत रास्ते से रोको।
6. ढूंढना चाहते हो तो, सज्जन पुरुषों को ढूँढो।
7. ग्रहण करना चाहते हो तो, माता पिता की शिक्षा ग्रहण करो।
8. बचना चाहते हो तो, कुसंगति से बचो।
9. लेना चाहते हो तो, दूसरों की दुआएं लो।
10. देखना चाहते हो तो, अपने अवगुणों को देखो।
11. हंसना चाहते हो तो, दूसरों को सुखी देखकर हंसो।
12. छोड़ना चाहते हो तो, अपने बुरे कर्मो को छोड़ो।

आशीर्वाद

माता-पिता के चरण छुए जो,
चार धाम तीर्थ फल पावे।
जो आशीर्वाद वह दिल से देवें,
भगवान भी उसे टाल न पावें।।

मानव जीवन में धारणीय बातें

KYPL
Since : 1986

गुरू महिमा एवं कृपा

गुरू गोबिन्द दोउ खड़े काके लागू पाय,
बलिहारी गुरू आपनो गोबिन्द दियो बताय।
कुमति कूप में पतन था,
पकड़ निकाला हाथ धाम बताया ईश का,
दे कर पूरा साथ।

सांई सार

1. क्रोध मूर्खता से शुरू होता है और पश्चाताप पर खत्म होता है।
2. नम्रता से देवता भी मनुष्य के वश में हो जाते है।
3. मनुष्य के तीन सदगुण है आशा विश्वास और दान।
4. दूसरों के हित के लिए अपने सुख का भी त्याग करना सच्ची सेवा है।
5. अन्धा वह नही जिसकी आंखें नही, अन्धा वह है जो अपने दोषो को ढकता है।
6. तुम्हें किसी से वेर है तो उस वेर का बदला क्रोध से नहीं प्रेम से लो।

सत्संग एवं प्रभु कृपा

भुखे को भोजन, प्यासे को पानी,
उपकार की यही निशानी।
वह मनुष्य जीवित ही मृतक है,
जो अपने लिए जीता है, अपने लिए सोचता है
और अपने लिए ही मरता है।
दुःख में सुमिरन सब करें सुख में करे ना कोई।
जो सुख में सुमिरन करे तो दुःख काहे को होय।
गरीब वह नहीं, जिसके पास कम है,
गरीब वह है जो अधिक चाहता है।
सत्संग एक पारसमणि है, जो लोहे जैसे कठोर एवं
काले मन के व्यक्ति को भी
चमकीला व गुणवान बना देता है।
अगर फरियाद हो दिल से, सहारा मिल ही जाता है,
भरोसा हो अगर भगवान पर,
किनारा मिल ही जाता है।

इन्सान

1. यह दुनिया एक उलझन है
कही धोखा कही ठोकर, कोई हंस-हंस के जीता है,
कोई जीता है रो रो कर,
जो गिरकर भी संभल जाए उसे इन्सान कहते है।
2. यदि गलती रूलाती है तो राहे भी दिखाती है,
'इन्सान' गलती का पुतला है,
यह अक्सर हो ही जाती है,
जो गलती करके पछताये, उसे इन्सान कहते हैं।
3. अकेले ही जो खा खा कर सदा गुजरान करते है,
यूँ भरने को तो दुनिया
में पशु भी पेट भरते है,
जो बांट-बांट कर खाये उसे इन्सान कहते है।

दुख का कारण व गीता सार

जो आज तुम्हारा है,
कल किसी और का था।
परसों किसी और का होगा,
तुम इसे अपना समझ कर मग्न हो रहे हो।
बस यही प्रसन्नता तुम्हारे दुःखों का कारण है।

सारांश

1. भाव बिना बाजार में,
मिले वस्तु नही मोल, भाव बिना हरि ना मिले भाव
सहित हरि बोल।
2. हे मानव अपना छोटा सा हृदय उस प्रभु को सौंप दे,
प्रभु अपना सारा
परम धाम तुझे सौंप देंगे।

KYPL

Since : 1986

KABRA YARNS PRIVATE LIMITED

A HOUSE OF YARNS & FABRICS

Su-Swagat®

★★★★★

Suresh Kabra
Managing Director

C.A. Nikhil Kabra
Director

ABOUT US

KABRA YARNS was estiblished in the year 1986. To serve the textile industry with superb and fine quality products, we have come up with an exclusive range of yarns and threads. These yarns have been developed for use in the production of textiles, crocheting, knitting, weaving, embroidery, and rope making. The striking features of these products such as high durability and fine finish, has helped Synthetic Yarns, and All kinds of Synthetic Threads. To ensure high quality and durable finish standards. our range is being manufactured by using high grade fabric complimented with sophisticated machines.

OUR MOTTO

We are Manufacturing & Supplying of all kinds of Multifold Recycled/Regenerated Natural, Dyed Yarns Linen, Flex, TNT Slub, Cotton Slub, Spun Polyester, Pet Yarns, P.C. Yarn, Carded, Combed , Compact etc. We are well recognized in the market for our commitment to fulfill our promise of our consumers based on **the foundation of trust, integrity and transparency.**

OUR CLOSE ASSOCIATES

- Damodar Industries Ltd.
- Suam Overseas Pvt. Ltd.
- Shree Damodar Yarns Pvt. Ltd.
- Madhusudan Threads
- Yajur Industries
- KS Spinning Mills
- Cedaar Textile Pvt. Ltd.
- South, Samana & Panipat

KEY STRENGTH

- We have unique and impressive product range for our buyers
- Quality assurance in every aspect, Excellence, right from procuring raw materials till final delivery of products.
- Procurement, "Ensuring superior quality at raw materials procurement for cotton and other fibers.
- Exclusive dedicated and specialized customer service team for sustained and improved customer satisfaction

CERTIFICATIONS

Social & Labor Convergence Program

OEKO TEX® STANDARD 100

GLOBAL ORGANIC TEXTILE STANDARD · GOTS

INDITEX

Global Recycled Standard ©TextileExchange

better cotton™

WHY US

- Kabra yarns is a leading player in Mfg. & suppling all kind of Multifold Recycled/Regenerated Natural & Dyed Yarn.
- Kabra yarns is a player in Mfg. & supping all Kind of value added yarns & fabrics.
- Our Range includes cotton yarn from count 1 ne to 40 ne, cotton, poly, acrylic and Shoddy Yarns.
- Our products are price competitive and having wide application in production of cotton durri, carpets, gloves, socks, cotton rops, mops, canvas, narrow fabrics and many others.
- Our customer relationships give us the dynamicity to perform consistenly better in the industry.
- We offer best products in Industry.
- We don't compromise in quality of our products for the satisfaction of our clients.
- We have experinced technical professionals of Industry to ensure best products quality as per client requirements.
- We have a good team in house for timely delivery of goods.
- We have rich experience of 36 years in cotton industry to develop and provide yarns at very competitive price timely.

KABRA YARNS PRIVATE LIMITED

Works & Regd. Office	:-	Plot No. 220, 221, Sector-29, Part 1, Huda, Panipat-132103
Branch Office	:-	Mathura, Bhilwara, Surat, Kishangarh
Our Sister Concern	:-	Kabra Yarns & Fabrics Panipat, Charbhuja Yarn Agency Panipat Kabra Yarns & Textile Bhilwara
Email us at	:-	ca.nikhil.kabra@gmail.com, kabrayarns1986@gmail.com
Website	:-	www.kabrayarns.com
Toll Free Number	:-	1800 891 0411

You can Reach out us

Suresh Kabra	:-	98120 41001, 92153 42001
CA Nikhil Kabra	:-	98969 41001, 98121 41001
CA Sumati Kabra (Fabric Division)	:-	72066 41001
Pawan Kothari (Sales Executive)	:-	94160 41001, 92153 41001
Sales Coordinator / Sample & Courier	:-	92153 42002
Contact for New Development	:-	92153 42004
Contact for Dispatch	:-	92153 42007, 92153 42003
Contact for any Complaint	:-	92153 42009

S & Z, TFO multi fold and doubling yarns in any count between 1 ne to 20s ne and from 2ply to 30ply

Fancy blended value added yarns with slubs & neps in spun, rowing & texturise yarns

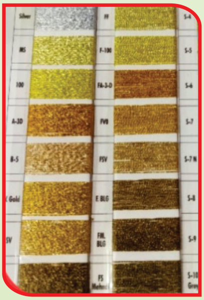

Mops Yarn

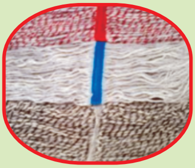
Duster Yarn

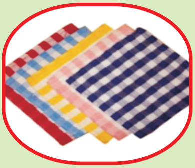
Napkin Yarn

Candle Yarn

Gloves Yarn

Dorries & Ropes Yarn

Packing Material Yarn

Moli Yarn

Niwar Yarn

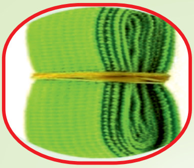
Belting Yarn

Durries Yarn

Carpet & Rugs Yarn

Canvas & Tirpal Yarn

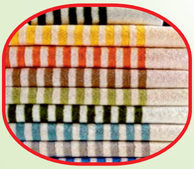
Towels Yarn

Bed Sheet Yarn

Bath Mate

Cotton Bag

T-Shirt

Denim

Check Suiting

Cotton/P.C./ Sheeting

Suiting

Curtain

Knitting (Hosiery) Yarn

Shade No.
#15
Shade No.
#16
Shade No.
#17
Shade No.
#18
Shade No.
#19
Shade No.
#20
Shade No.
#21
Shade No.
#22
Shade No.
23
Shade No.
Shade No.
Shade No.

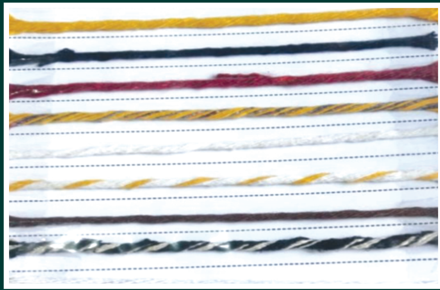

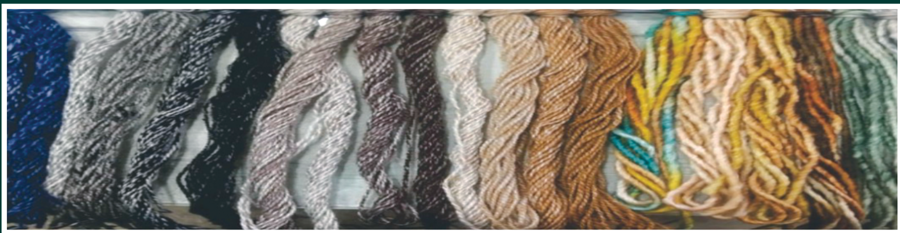

BKS - K621
BKM - K626
BKM - K628
BLS - K220
BLS - K221
BLS - K222
BLS - K230
BLS - K236
RDS - K121
RDS - K122
RDS - K130
BKS - K423
GRS - K486
YLS - K525
BW - K721
BKM - K921
BKM - K922
BKM - K927
BKM - K928

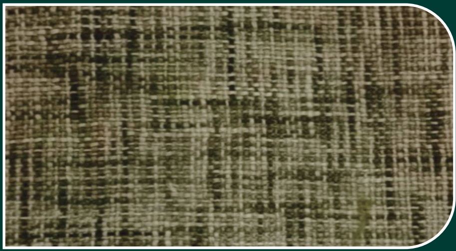
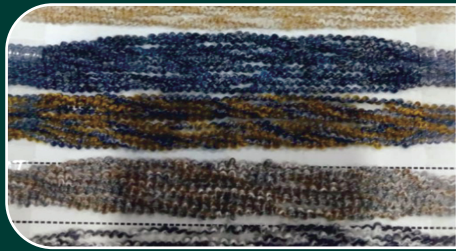

HOUSE OF YARNS ➡ KABRA YARNS PVT LTD

BASICS & MULTIFOLD YARNS

Regenerated Yarns Grey & Dyed :

- 2/4s, 2/6s, 3/6s, 2/10s, 3/10s, 2/12s, 3/12s, 2/14s, 3/14s, 2/16s, 3/16s, 2/18s, 3/18s, 2/20s, 3/20s -Non UV & UV
- 2/4s, 2/6s, 3/6s, 2/10s - Bleach & Optical
- 2/4s, 2/6s, 3/6s - Semi Soft & Super Soft
- 2/4s, 2/6s, 3/6s, 2/10s, 3/10s, 2/16s, 3/16s, 2/20s, 3/20s
- 4/4s, 5/4s, 6/6s, 8/6s, 10/6s, 12/6s
- 8s, 10s, 12s, 14s, 16s, 18s, 20s, 24s, 30s, 40s

Carpet Application :

- 6/6s, 6/5s, 6/4s, UV & Non UV

100% Viscose & Poly Viscose Yarns Grey & Dyed :

- 10s, 15s, 18s, 20s, 24s, 30s, 40s
- 2/15s, 2/18, 2/20s, 2/24s, 2/30s, 2/40s, 2/50s

100% Cotton OE & Ring - Frame :

- 6s, 8s, 10s, 12s, 14s, 16s, 18s, 20s, 30s
- 2/10s, 2/20s, 2/30s, 2/40s, Kw, Cw, Ccw

100% Poly Spun Yarns : (PET & VIRGIN)

- 8s, 10s, 12s, 15s, 20s, 24s, 30s, 40s Spun Yarns
- 2/8s, 2/10s, 2/12s, 2/15s, 2/20s, 2/24s, 2/30s, 2/40s Spun Yarns

Slubs Ring - Frame :

- 8s, 2/8s, 10s, 2/10s, 16s, 2/16s, 20s, 2/20s - 100 % Cotton Slubs & Cotton / Polyester Slubs
- 8s, 2/8s, 10s, 2/10s, 16s, 2/16s, 20s, 2/20s - 100 % Polyester Slubs & Polycott Slubs

Recycled South Quality :

- 6s, 10s, 20s, 30s, 40s Yarns
- 2/6s, 2/10s, 2/20s, 2/30s, 2/40s

All Textured & Fillament Yarns :

- 150 Roto, 360 Lycra, 300DMS, 80 To 600HIM, NIM, LIM

CONTACT : SURESH KABRA | 98120-41001, 92153-42001

VALUE ADDED YARNS & FABRICS

Rowing Slubs & Texture Yarns :

- 1.5nm, 3.25nm, 3.75nm - 100% Cotton
- 1.5nm, 3.25nm - Cotton / Poly Blends
- 1.5nm, 3.25nm - Cotton / Poly / Linen Blends
- 1.5nm, 3.25nm - 100% Polyester Pet
- 1.5nm, 3.25nm - Viscose / Linen Blends
- 1nm - Wool / Linen Blends

All Type of Value Added Fabric

100% Linen & Linen Blends :

- 0.75 Lea, 10 Lea, 25 Lea, 40 Lea, 44 Lea -100% Linen
- 12s, 21s - Cotton Linen - 70/30 Blend
- 8s, 12s, 21s, Viscose Linen Slub - 70/30 Blend
- 8s to 21s count in blends of Linen / Cotton / Lyocell / Polyester

CONTACT : CA NIKHIL KABRA | 98969-41001, 98121-41001

Note :- All Yarns Available 2 Ply To 36 Ply

जीवन सार एवं अनमोल वचन

KYPL Since : 1986

-: प्रातः वन्दना :-

कराग्रे वसते लक्ष्मीः करमध्ये सरस्वती।
करमूले तु गोविन्दः प्रभाते कर दर्शनम्।।

"श्री भगवान जी कहते हैं"

तू करता है वो, जो तू चाहता है ।
पर होता है वो, जो मैं चाहता हूँ ।
इसलिए तू कर वो, जो मैं चाहता हूँ ।
होगा वो, जो तू चाहता हैं ।

पंच देव

श्री गणेश जी, श्री विष्णु जी
भगवान शिव जी, माँ दुर्गा जी
श्री सूर्य देव जी

दुनिया का सबसे बडा जेवर आपकी मेहनत।
जो हाथ सेवा के लिए उठते हैं वे प्रार्थना करने वाले होठों से अधिक पवित्र हैं।
स्वार्थ में अच्छाईयाँ ऐसे खो जाती है, जैसे समुंद्र में नदियाँ।

आंखो में क्या है

पिता की आँखो में →	फर्ज
माता की आँखो में →	ममता
भाई की आँखो में →	प्यार
बहिन की आँखो में →	स्नेह
अमीर की आँखो में →	घमण्ड
गरीब की आँखो में →	आशा
मित्र की आँखो में →	सहयोग
दुश्मन की आँखो में →	बदला
सज्जन की आँखो में →	दया
शिष्य की आँखो में →	आदर

एक चीज

जीतने के लिए कोई चीज है तो →	प्रेम
पीने के लिए कोई चीज है तो →	क्रोध
खाने के लिए कोई चीज है तो →	गम
देने के लिए कोई चीज है तो →	दान
दिखाने के लिए कोई चीज है तो →	दया
लेने के लिए कोई चीज है तो →	ज्ञान
कहने के लिए कोई चीज है तो →	सत्य
फेंकने के लिए कोई चीज है तो →	ईर्ष्या
छोडने के लिए कोई चीज है तो →	मोह
रखने के लिए कोई चीज है तो →	इज्जत

मधुर वचन

इस तरह न कमाओ कि पाप हो जाए !
इस तरह न खर्च करो कि कर्ज हो जाए !
इस तरह न बोलो कि क्लेश हो जाए !
इस तरह न खाओ कि मर्ज हो जाए !
इस तरह न चलो कि देर हो जाए !
इस तरह न सोचो कि चिंता हो जाए !

धन से

धन से पुस्तक मिलती है - किन्तु ज्ञान नहीं।
धन से आभूषण मिलता है - किन्तु रूप नहीं।
धन से सुख मिलता है - किन्तु आनन्द नहीं।
धन से साथी मिलते है - किन्तु सच्चे मित्र नहीं।
धन से भोजन मिलता है - किन्तु भूख नहीं।
धन से दवा मिलती है - किन्तु स्वास्थ्य नहीं।
धन से एकान्त मिलता है - किन्तु शांति नहीं।
धन से बिस्तर मिलते है - किन्तु नींद नहीं।

किनका अपमान न करें।

आचार्य, पिता, माता, और बडा भाई इनका दु:खी होकर भी कभी अपमान न करें। आचार्य परमात्मा की मूर्ति, पिता ब्रह्मा की मूर्ति, माता पृथ्वी की मूर्ति और भाई अपनी ही मूर्ति है।

सर्वसुख

पहला सुख →	निरोगी काया
दूसरा सुख →	पर्याप्त धनमाया (जिसमें संतोष हो)
तीसरा सुख →	गुणवन्ती नारी
चौथा सुख →	पुत्र हो आज्ञाकारी

"बेटी बचाओ देश बचाओ"

नारी ही शक्ति है नर की, नारी ही है शोभा घर की,
जो उसे उचित सम्मान मिले, घर में खुशियों के फूल खिले॥

पत्नी धर्म

पति की सेवा करके उसे अनुकुल बनाये रखना, पति के बन्धु बान्धवों की सेवा करना तथा निरन्तर पतिव्रत धारण करना नारी का कर्तव्य - क्षेष्ठ धर्म है। नारद जी कहते हैं कि जो नारी पति को परमेश्वर मानकर सेवा करती है, वह विष्णु लोक में लक्ष्मी की भान्ति सदा प्रसन्न रहती है।

सारांश:- शरीर की खुराक भोजन है और आत्मा की खुराक भजन है।

सत्य से कमाया 'धन' हर प्रकार से सुख देता है। छल व कपट से कमाया 'धन' दुःख ही दुःख देता है।

!! आशीर्वाद:- माता पिता के चरण छुए जो, चारधामतीर्थ फल पावे, जो आशीर्वाद वह दिल से देवे, भगवान भी उसे टाल ना पावें !!

दिन का चौघड़िया

KYPL Since : 1986

प्रातः 6 बजे से

समय	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरूवार	शुक्रवार	शनिवार
6 से 7:30 तक	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
7:30 से 9 तक	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
9 से 10:30 तक	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
10:30 से 12 तक	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
12 से 1:30 तक	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
1:30 से 3 तक	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
3 से 4:30 तक	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
4:30 से 6 तक	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल

रात का चौघड़िया

सायं : 6 बजे से

समय	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरूवार	शुक्रवार	शनिवार
6 से 7:30 तक	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
7:30 से 9 तक	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
9 से 10:30 तक	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
10:30 से 12 तक	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
12 से 1:30 तक	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
1:30 से 3 तक	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
3 से 4:30 तक	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
4:30 से 6 तक	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

शुभ चौघड़िया :- अमृत, शुभ, लाभ, चर | अशुभ चौघड़िया :- उद्वेग, काल, रोग

दिशाशूल

पूर्व दिशा.... सोमवार, शनिवार

पश्चिम दिशा... रविवार, शुक्रवार

दक्षिण दिशा... गुरूवार

उत्तर दिशा... मंगलवार, बुधवार

दिशाशूल परिहार

रविवार को तांबुल, सोम को चंदन,
मंगल को मट्टी, बुध को पुष्प,
गुरू को दही, शुक्र को धृत,
शनि को तिलदान कर यात्रा
करने से दिशाशूल दोष नही लगता

राहु काल

सोमवार	प्रातः	7.30 से	9.00 बजे तक
मंगलवार	दोपहर	3.00 से	4.30 बजे तक
बुधवार	दोपहर	12.00 से	1.30 बजे तक
गुरूवार	दोपहर	1.30 से	3.00 बजे तक
शुक्रवार	प्रातः	10.30 से	12.00 बजे तक
शनिवार	प्रातः	9.00 से	10.30 बजे तक
रविवार	सायं	4.30 से	6.00 बजे तक

(उपरोक्त संग्रह में कोई भी त्रुटि हो तो क्षमा करें)

कबीरा जब हम आये जगत में, जग हंसा हम रोये, ऐसी करनी कर चले, हम हँसे जग रोये।

!! जीवन सार :- वह समस्त ऐसे कार्य जिससे, अपने आपको, अपने परिवार को, अपने समाज को व अपने देश को लज्जित न होना पडे, तमाम कार्य कर सकता है !!